

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, 16 जुलाई, 2006

समय : दौपहर 2.00 से 4.15

कुल अंक : 75

HERE
PIN

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	1 (8)	
	2 (6)	
	3 (4)	
	4 (5)	
	5 (5)	
	6 (10)	
	7 (6)	
	8 (6)	
	9 (5)	
	10 (6)	
	11 (8)	
	12 (6)	
	कुल गुण	

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्ठक में
परिचय-२ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

HERE
PIN

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक
(अंको में)

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी की उम्र

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....

HERE
PIN

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोमां

चेकर - नाम

इन्टी तपासनार

सुधरेल गुण

📌 पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

(विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय)

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ८)

१. "घर शीघ्र लौटो और अपना काम निपटा दो ।"

गुण : २	
---------	--

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

२. "ध्यान रखना की मन्दिर छोटा ही हो ।"

गुण : २	
---------	--

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

३. "साधु तो हमारे पिता है ।"

गुण : २	
---------	--

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

४. "समलोष्टाश्मकाच्चनः' उनके लिए लकड़ी, सोना, पत्थर सब समान है ।"

गुण : २	
---------	--

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मंत्री-पुत्र ने राजकुमार की गर्दन पर छुरी से छोटा चीरा किया ।

गुण : २	
---------	--

.....

.....

.....

.....

२. हिमराज शाह सत्संगी हुए ।

गुण : २	
---------	--

.....

.....

.....

.....

३. सत्संग को कल्पतरु या चिंतामणि से भी अधिक प्रभावी मानते हैं ।

गुण : २	
---------	--

.....

.....

.....

.....

४. रे मुख

.....

.....

..... तम उपर वारु ॥ गुण : २

५. धर्मो ज्ञेयः सदाचारः श्रुतिस्मृत्युपपादितः ।

माहात्म्यज्ञानयुग्भूरिस्नेहो भक्तिश्च माधवे ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

गुण : २

(विभाग - २ : प्रागजी भक्त)

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. "दूसरा तो कोई भी इस तरह से सेवा नहीं कर सकता ।"

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

२. "इन साधुओं को डपटो क्योंकि ये हमेशा मुझे सताते रहते हैं ।"

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

३. "जो आनंद तुम्हें प्राप्त है, वह दूसरों को भी प्राप्त कराओ ।"

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. भगतजी ने नाई की सेवा की ।

गुण : २

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. जूनागढ़ मंदिर में आये हुए प्रागजी भक्त को देखते ही गुणातीतानंद स्वामी ने क्या कहा ?

गुण : १

२. गुणातीतानंद स्वामी ने अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी की नियुक्ति किस गाँव में की ?

गुण : १

३. प्रागजी भक्त ने मालिया गाँव में क्या सेवा की ?

गुण : १

४. प्रागजी भक्त को साक्षात्कार हुआ तब श्रीजीमहाराज ने कृपा करके क्या कहा ?

गुण : १

५. प्रागजी भक्त को विमुख करने पर कोन अडे हुए थे ?

गुण : १

६. खानदेश में किसको सत्संग का विस्तार करने में अद्भुत सफलता मिली ?

गुण : १

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें। (कुल गुण : ८)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. भगतजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी से क्या मांगा ?

गुण : २

(१) अपना ज्ञान दो। (२) महाराज के दर्शन कराइये।

(३) अपने धाम के दर्शन करवाओ। (४) मुझे सच्चा सत्संगी बनाओ।

२. भगतजी महाराज का जन्म कब हुआ था ?

गुण : २

(१) १८८५ (२) १८८४ (३) फाल्गुन पूर्णिमा। (४) शरद पूर्णिमा।

३. भगतजी महाराज ने वांसदा के दीवान को दिया हुआ उपदेश।

गुण : २

(१) मुमुक्षु को हिरण की तरह भय से सावधान रहकर कौए की तरह सोना चाहिए।

(२) स्त्रियादिक के संकल्प न करें।

(३) देह के नाते कठोरता से ग्यारह नियमों का पालन करना।

(४) एक बार खाना।

४. भगतजी महाराज की महिमा किस किस के समझ में आई थी ?

गुण : २

(१) पवित्रानंद स्वामी। (२) चकुभाई। (३) सीताबा। (४) पीज के मोतीलाल।

प्र.१२ नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. गोपालानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त से कहा, 'तुम संतों की सेवा कर, उनसे ज्ञान प्राप्त कर लो तो तुम व्यवहार में रहते हुए भी भगवान और संतों को भूल नहीं पाओगे।'

गुण : १

२. गुणातीतानंद स्वामी ने कहा, 'अमईदास, मंदिर की चाबियाँ तो मैंने प्रागजी को दे दी हैं।'

गुण : १

३. गुणातीतानंद स्वामी जूनागढ में ४४ साल, ४ महीने और ४ दिन रहे।

गुण : १

४. वरताल में भगतजी की ब्रह्मस्थिति देखकर यज्ञपुरुषदासजी ने उन्हें मन ही मन गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया।

गुण : १

५. भगतजी ने माना भगत को सलाह दी, 'बाबुला शिष्यों से अधिक नहीं बंधना चाहिए।'

गुण : १

६. भगतजी महाराज ने धून करवा के नरसिंहभाई का काले विषधर नाग का झहर उतार दिया।

गुण : १